

शक्ति संपन्न, वह जो शक्तिशाली हो 4. समर्थ, सामर्थ्ययुक्त 5. परिमित 6. समग्र 7. उचित, योग्य, तुल्य 8. समाप्त 9. विस्तीर्ण, विस्तृत
पुं. 1 तृप्ति, संतोष 2. शक्ति 3. प्रचुरता।

पर्याप्ति स्त्री. (तत्.) 1. मिलना, प्राप्त होना 2. पर्याप्त होने का भाव, यथेष्टता, प्रचुरता 3. अंत, समाप्ति 4. योग्यता, सामर्थ्य, क्षमता 5. तृप्ति, संतुष्टि, प्राप्ति, संतोष 6. निवारण 7. रक्षा करना, रक्षण 8. वस्तुओं का गुणानुसार भेद 9. इच्छा।

पर्याप्लाव पुं. (तत्.) 1. फेरा, चक्कर, घेरा।

पर्याप्लुत वि. (तत्.) घेरा हुआ।

पर्याय पुं. (तत्.) 1. समानार्थक शब्द, समानार्थवाची, एक ही भाव-बोधक शब्द जैसे- 'विष' का पर्याय 'हलाहल' 2. क्रय, अनुक्रय 3. परंपरा, सिलसिला 4. अर्थालंकारों का एक प्रकार जिसमें एक वस्तु का क्रम से अनेक आश्रय लेना या अनेक वस्तुओं का एक ही के आश्रित होना वर्णित हो 5. प्रकार, तरह 6. अवसर, मौका 7. द्रव्य का धर्म या गुण 8. बनाने का कार्य, निर्माण कार्य, रचना-कार्य 9. एक ही कुल में जन्म लेने के कारण दो व्यक्तियों या भाइयों का पारस्परिक संबंधी 10. समय का व्यतीत होना।

पर्यायक्रम पुं. (तत्.) 1. मान या पद आदि के आधार पर क्रम-निर्धारण, छोटे-बड़े, कनिष्ठ के आधार पर क्रम 2. क्रमानुसार वृद्धि, उत्तरोत्तर वृद्धि।

पर्यायवृत्ति स्त्री. (तत्.) किसी एक को त्यागकर दूसरे को ग्रहण करने की वृत्ति, स्वभाव, इसी प्रकार दूसरे को छोड़कर किसी अन्य या तीसरे को ग्रहण करना।

पर्यायशयन पुं. (तत्.) पहरा देने वालों का अपनी-अपनी बारी से या क्रम से सोना।

पर्यायसेवा स्त्री. (तत्.) क्रम से की जाने वाली सेवा, बारी-बारी से सेवा करना।

पर्यायिक वि. (तत्.) संगीत या नृत्य का एक अंग।

पर्यायोक्त पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का शब्दालंकार जिसमें बात को घुमा-फिरा कर कहा जाता है, किसी रमणीय व्याज या बहाने से कही गई बात 2. दे. पर्याययोक्ति।

पर्यायोक्ति स्त्री. (तत्.) शब्दालंकार का एक प्रकार जिसमें बात को साफ-साफ या सीधे-सीधे न कहकर किसी अन्य बहाने, ब्याज या घुमाव-फिराव से कहा जाए।

पर्यारिणी स्त्री. (तत्.) रोगग्रस्त गाय, अस्वस्थ गाय।

पर्यालोचन पुं. (तत्.) 1. भली प्रकार देखभाल 2. सम्यक् विवेचन या समीक्षा 3. दे. पुनरीक्षण।

पर्यालोचना स्त्री. (तत्.) 1. किसी वस्तु, रचना या स्थिति की पूरी तरह से देखभाल करना, समीक्षा करना 2. किसी की पूर्णतः जाँच-पड़ताल करना।

पर्यालोचित वि. (तत्.) जिसका पर्यालोचन किया गया हो, विवेचित, समीक्षित।

पर्यावधि स्त्री. (तत्.) 1. गाँठ, ग्रंथि, जोड़ 2. पर्वकाल या उसकी अवधि।

पर्यावरण पुं. (तत्.) किसी विषय या व्यक्ति की स्थिति, परिस्थिति, वातावरण।

पर्यावर्त पुं. (तत्.) 1. आना, आगमन, लौटना, वापस आना 2. संसार में फिर से आना, फिर से जन्म लेना।

पर्यावर्तन पुं. (तत्.) 1. एक नरक, नरक का एक नाम 2. वापस आना, लौटना 3. विनिमय।

पर्यावलोकन पुं. (तत्.) पूर्णतः निरीक्षण, भली प्रकार देखना-भालना, पूर्णतः समझना।

पर्याविल वि. (तत्.) 1. अत्यंत आविल, गंदला, कीचड़ भरा, पंकिल।

पर्यावृत वि. (तत्.) आच्छादित, ढँका हुआ।

पर्यास पुं. (तत्.) 1. पतन, गिरना 2. मारना, मार डालना 3. विनाश 4. चारों ओर घूमना, परिक्रमा करना 5. विपरीत क्रम, विपरीत स्थिति।